वर्ष :-1 अंक:-324 7, जनवरी,2026 बुधवार

अपना शहर अपना खबर

अपना नालन्दा

नालंदा का नंबर -1 डिजिटल अखबार
www.apnanalanda.com

नगर निकाय अधिकारियों को 15 जनवरी तक सीयूजी नंबर, कॉल सेंटर होगा शुरू

सुजीत कुमार ,पटना (अपना नालंदा)। उपमुख्यमंत्री सह नगर विकास एवं आवास विभाग के मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने मंगलवार को विभागीय कार्यों की प्रगति को लेकर वरीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में उन्होंने निर्देश दिया कि राज्य के सभी नगर निकायों में कार्यरत कार्यपालक पदाधिकारी, स्वच्छता पदाधिकारी तथा सिटी मैनेजर को 15 जनवरी तक सीयूजी (क्लोज्ड यूजर ग्रुप) मोबाइल नंबर उपलब्ध कराया जाए। इससे प्रशासनिक समन्वय बेहतर होगा और आम नागरिकों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों से सीधे संपर्क करने में सुविधा मिलेगी।

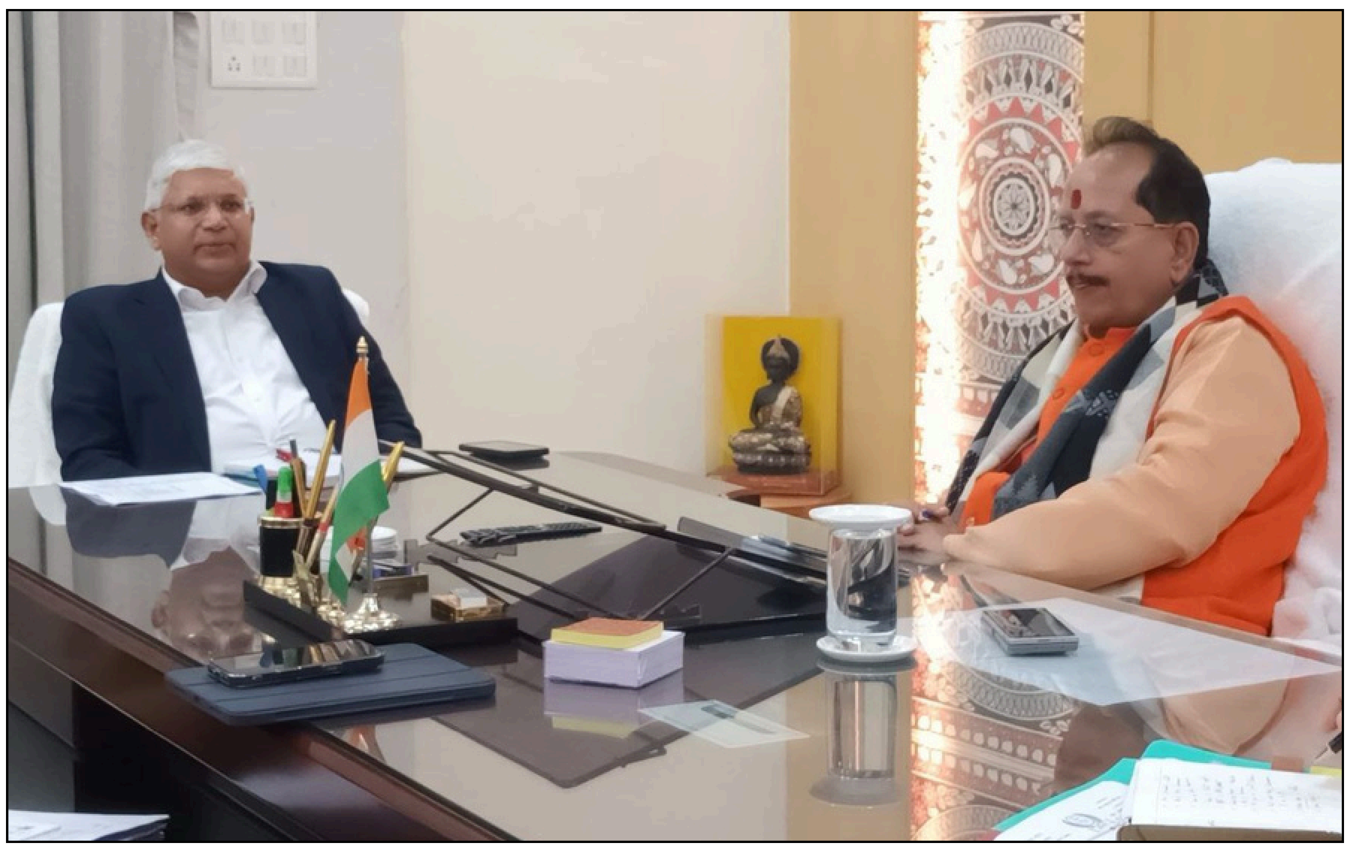

उपमुख्यमंत्री ने बताया कि मकर संक्रांति के बाद नागरिकों की शिकायतों और सुझावों के त्वरित निपटारे के लिए एक केंद्रीकृत कॉल सेंटर स्थापित किया जाएगा। इसके साथ ही एक समर्पित व्हाट्सऐप नंबर भी जारी किया जाएगा, ताकि लोग आसानी से अपनी बात विभाग तक पहुंचा सकें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि कॉल सेंटर और डिजिटल माध्यमों से प्राप्त शिकायतों की समयबद्ध मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए।

बैठक में बड़े शहरों की आर्टेरियल रोड (संपर्क पथ) की खराब स्थिति पर भी चिंता जताई गई। उपमुख्यमंत्री ने ऐसी सड़कों को चिन्हित कर नगर निगमों के माध्यम से शीघ्र निर्माण व मरम्मत कराने का निर्देश दिया। साथ ही नियोजित 11 नए शहरों में आधारभूत संरचना से जुड़े कार्यों में तेजी लाने पर जोर दिया गया।

उन्होंने यह भी कहा कि जनहित के विरुद्ध बेवजह की जटिलताओं वाले पुराने नियमों और अधिनियमों की समीक्षा कर आवश्यक संशोधन किए जाएं, ताकि जनता को अनावश्यक परेशानी न हो और भ्रष्टाचार पर प्रभावी रोक लग सके।

बैठक में प्रधान सचिव विनय कुमार, अपर सचिव विजय प्रकाश मीणा, अपर सचिव मनोज कुमार सहित विभाग के अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

पैतृक गांव कल्याण बिगहा में श्राद्धकर्म में शामिल हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार

हरनौत (अपना नालंदा)। मंगलवार की शाम नीतीश कुमार अपने पैतृक गांव कल्याण बिगहा पहुंचे, जहां उन्होंने दिवंगत सीताराम प्रसाद के श्राद्धकर्म में भाग लिया।

मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और शोकाकुल परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की।श्राद्धकर्म के उपरांत मुख्यमंत्री ने दिवंगत सीताराम प्रसाद की धर्मपत्नी शकुंतला देवी तथा उनके पुत्र प्रतीक आर्यन और प्रशांत आर्यन से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया। इसके बाद मुख्यमंत्री अपने पैतृक आवास भी गए, जहां वे करीब पंद्रह मिनट तक ठहरे। इस दौरान मुख्यमंत्री के बड़े भाई सतीश कुमार, परिवहन एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार, विधायक रोहेल रंजन तथा पूर्व विधायक सुनील कुमार भी उपस्थित रहे।हरनौत बाजार निवासी एवं जदयू प्रखंड अध्यक्ष रविकांत कुमार ने बताया कि दिवंगत सीताराम प्रसाद करीब 50 वर्षों तक मुख्यमंत्री के आवास, खेती-बाड़ी सहित उनसे जुड़े कई महत्वपूर्ण कार्यों की जिम्मेदारी निभाते रहे। वे मुख्यमंत्री के शुरुआती राजनीतिक जीवन से ही उनके साथ जुड़े रहे और एक निष्ठावान व भरोसेमंद सेवादार के रूप में पहचाने जाते थे।

मुख्यमंत्री की उपस्थिति में श्राद्धकर्म के दौरान परिजनों और ग्रामीणों की आंखें नम दिखीं तथा पूरा वातावरण भावुक हो गया। कार्यक्रम को लेकर सुबह से ही प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी पटना प्रमंडल के आईजी जीतेंद्र राणा, एसएसपी कार्तिकेय के. शर्मा, नालंदा डीएम कुंदन कुमार, एसपी भारत सोनी तथा पटना डीएम डॉ त्यागराजन एस.एम सहित अन्य वरीय अधिकारियों द्वारा की गई। कार्यक्रम स्थल से लेकर पटना–नालंदा सीमा तक चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात रहा। मौके पर जदयू जिलाध्यक्ष मो. अरशद, बीडीओ डॉ पंकज, सीओ पूजा, नगर परिषद के ईओ सौरभ सुमन, जदयू प्रखंड प्रवक्ता रौशन, अवधेश, कक्कू सहित बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण मौजूद रहे।

50 लाख का उत्थान पार्क एक साल में बदहाल, प्रशासनिक लापरवाही उजागर

राजेश कुमार गौतम,नालंदा (अपना नालंदा)। सिलाव प्रखंड के नानंद गांव में मनरेगा योजना के तहत लगभग 50 लाख रुपये की लागत से निर्मित सामाजिक उत्थान पार्क महज एक वर्ष के भीतर ही बदहाली का शिकार हो गया है। गौरतलब है कि इस पार्क का उद्घाटन 21 फरवरी 2025 को नीतीश कुमार ने अपनी प्रगति यात्रा के दौरान किया था, लेकिन उद्घाटन के बाद इसके रखरखाव की कोई ठोस व्यवस्था नहीं की गई।ग्रामीणों के टहलने, बैठने और सामाजिक गतिविधियों के उद्देश्य से बनाए गए इस पार्क की स्थिति आज बेहद दयनीय हो चुकी है। पूरा परिसर घने झाड़ियों और जंगलनुमा घास से भर गया है। इससे विषैले जीव-जंतुओं के छिपने की आशंका बढ़ गई है, जिसके कारण ग्रामीण अब पार्क में जाने से भी डरने लगे हैं। पार्क में लगाए गए पेवर ब्लॉक्स पर घास उग आना इस बात का प्रमाण है कि लंबे समय से सफाई और देखरेख पूरी तरह ठप है।

नानंद पंचायत के मुखिया अरुण कुमार सिन्हा ने प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि पार्क के रखरखाव के लिए दो माली की मांग पहले ही की गई थी, लेकिन इस पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। उन्होंने बताया कि नियमित देखरेख के अभाव में पार्क की हालत लगातार खराब होती चली गई।

मनरेगा योजना के तहत पार्क के समीप एक तालाब का निर्माण भी कराया गया था, लेकिन अब तक उसकी पूरी राशि का भुगतान नहीं होने के कारण कार्य अधूरा पड़ा है। इससे ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ती जा रही है।

सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इस आदर्श पंचायत को जदयू सांसद कौशलेन्द्र कुमार ने गोद लिया है। इसके बावजूद गांव के इस महत्वपूर्ण विकास कार्य की स्थिति बदहाल बनी हुई है।

ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और संबंधित विभाग से तत्काल हस्तक्षेप कर पार्क की सफाई, रखरखाव और अधूरे कार्यों को पूरा कराने की मांग की है। नानंद गांव का यह उत्थान पार्क आज प्रशासनिक उदासीनता की तस्वीर बनकर योजनाओं के क्रियान्वयन पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है।

इस्लामपुर नगर परिषद में नियुक्तियों पर हंगामा, वार्ड पार्षदों ने नियम उल्लंघन का आरोप लगाया

मोहम्मद जियाउद्दीन, इस्लामपुर (अपना नालंदा)। इस्लामपुर नगर परिषद की बोर्ड बैठक में कथित गलत ढंग से की गई नियुक्तियों को लेकर जमकर हंगामा हुआ। बैठक के दौरान कई वार्ड पार्षदों ने खुलकर विरोध दर्ज कराते हुए आरोप लगाया कि नगर परिषद में की गई बहालियां नियमों और प्रक्रियाओं के विरुद्ध हैं। पार्षदों का कहना था कि जिन आशंकाओं को लेकर अब तक गलियारों में चर्चा होती रही, वे अब बोर्ड बैठक में सार्वजनिक रूप से सामने आ गई हैं।

वार्ड पार्षदों ने बताया कि जब बैठक में गलत ढंग से हुई नियुक्तियों को रद्द करने का प्रस्ताव रखा गया, तो नगर परिषद की कार्यपालक पदाधिकारी 2पूजा माला ने नियमों पर चर्चा करने के बजाय बहुमत का हवाला देकर प्रस्ताव को खारिज कर दिया। पार्षदों ने कहा कि बहुमत का अर्थ यह नहीं होता कि नियम-कानून को दरकिनार कर दिया जाए। इससे नियुक्तियों में बड़े घोटाले की आशंका और गहरी होती है।ठक में वार्ड पार्षद स्वाति देवी, पुष्पा देवी, रीता देवी, मो. फिरोज आलम, बैसानिया गुप्ता, टिंकू यादव, कृष्ण कुमार, चिंता देवी, संगीता कुमारी, जेनी जस्मिन सहित कई पार्षदों ने आरोप लगाया कि इस्लामपुर नगर परिषद कार्यालय में अनियमितता और भ्रष्टाचार हावी है। उन्होंने कहा कि बोर्ड बैठक विकास कार्यों की समीक्षा, नव-विस्तारित वार्डों में चयनित योजनाओं की समीक्षा।

कराय परसुराय में भाकपा माले का धरना, बुलडोजर कार्रवाई पर रोक की मांग

कराय परसुराय (अपना नालंदा)। "बुलडोजर नहीं, पर्चा दो", "रोजी-रोटी का प्रबंध करो", "मनरेगा को पुनर्बहाल करो" जैसी मांगों को लेकर भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) के बैनर तले अखिल भारतीय खेत ग्रामीण मजदूर सभा द्वारा राज्यव्यापी कार्यक्रम के तहत कराय परसुराय प्रखंड में धरना आयोजित किया गया। धरने में सैकड़ों मजदूरों, किसानों और महिलाओं ने भाग लिया।

प्रदर्शनकारियों ने सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कहा कि बिना वैकल्पिक व्यवस्था के भूमिहीन गरीबों, दलित-महादलित परिवारों और ठेला-फुटपाथ दुकानदारों पर बुलडोजर चलाना असंवैधानिक है। "चुनाव से पहले वादे, चुनाव के बाद बुलडोजर" जैसे नारों के साथ मनरेगा को पुनर्बहाल करने, सभी भूमिहीनों को पाँच-पाँच डिसमिल जमीन और पक्का मकान देने त था वेंडर जोन बनाकर ही कार्रवाई करने की मांग उठाई गई।धरने की अध्यक्षता मकरौता पंचायत के पूर्व मुखिया एवं पार्टी प्रखंड कमेटी सदस्य उमेश जमादार ने की। अखिल भारतीय खेत ग्रामीण मजदूर सभा के जिला नेतृत्व ने कहा कि पूर्व में किए गए वादों के बावजूद वर्षों से बसे गरीब परिवारों के घरों पर कार्रवाई की जा रही है, जबकि कानून वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करने की बात करता है। वक्ताओं ने आरोप लगाया कि सरकार मूकदर्शक बनी हुई है।किसान नेताओं ने धान खरीद शून्य होने, बिचौलियों के हावी होने और सहकारी संस्थाओं के कमजोर पड़ने पर भी चिंता जताई। उन्होंने पैक्स के माध्यम से अविलंब धान खरीद शुरू करने की मांग की। धरने को विजय यादव, दिनेश पासवान, शंकर प्रसाद, रामदयाल पासवान सहित अन्य नेताओं ने संबोधित किया।

सबमर्सिबल खराब होने से हरगोपालपुर में दो सप्ताह से गहराया जल संकट

नगरनौसा (अपना नालंदा)। नगरनौसा प्रखंड अंतर्गत कैला पंचायत के वार्ड संख्या-03 हरगोपालपुर में पिछले दो सप्ताह से गंभीर जल संकट बना हुआ है। नल-जल योजना के तहत स्थापित सबमर्सिबल मोटर के बोरवेल में गिर जाने के कारण पूरे गांव में पानी की आपूर्ति पूरी तरह ठप हो गई है, जिससे ग्रामीणों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

कैला पंचायत के उपमुखिया जितेंद्र प्रसाद ने बताया कि सबमर्सिबल मोटर खराब होने के बाद से नल-जल योजना से एक बूंद पानी भी नहीं मिल पा रहा है। पानी के अभाव में ग्रामीणों को दूर-दराज के क्षेत्रों से पानी लाने को मजबूर होना पड़ रहा है, जिससे महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों को सबसे अधिक परेशानी झेलनी पड़ रही है।

उपमुखिया ने आगे बताया कि इस समस्या को लेकर स्थानीय प्रशासन और लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग (पीएचईडी) के अधिकारियों को कई बार लिखित व मौखिक रूप से सूचना दी गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। विभागीय लापरवाही से ग्रामीणों में गहरा आक्रोश व्याप्त है।

ग्रामीणों का कहना है कि यदि शीघ्र ही खराब सबमर्सिबल को दुरुस्त कर पानी की आपूर्ति बहाल नहीं की गई, तो वे सामूहिक रूप से आंदोलन करने को मजबूर होंगे। लोगों ने जिला प्रशासन से इस गंभीर समस्या पर तत्काल संज्ञान लेने और जल आपूर्ति बहाल कराने की मांग की है, ताकि ग्रामीणों को राहत मिल सके।

घने कोहरे और कड़ाके की ठंड से नगरनौसा में सब्जी-फल फसलें प्रभावित

नगरनौसा (अपना नालंदा)। नगरनौसा प्रखंड क्षेत्र में लगातार पड़ रहे घने कोहरे और कड़ाके की ठंड ने जनजीवन के साथ-साथ खेती-किसानी को भी गंभीर रूप से प्रभावित करना शुरू कर दिया है। पछुआ हवा और कनकनी भरी ठंड के कारण तापमान में लगातार गिरावट देखी जा रही है, जिससे लोग अनावश्यक रूप से घरों से बाहर निकलने से बच रहे हैं।मौसम के इस बदले मिजाज से किसान खासे चिंतित नजर आ रहे हैं। किसानों का कहना है कि सब्जी और फल की फसलों पर ठंड का प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। किसान जितेंद्र प्रसाद, अनुज कुमार, शिव कुमार प्रसाद, राजू कुमार, राजेश कुमार और संजीत कुमार ने बताया कि इस समय बैंगन, टमाटर, शिमला मिर्च जैसी सब्जियों तथा स्ट्रॉबेरी, खरबूजा और तरबूज की फसलों में फूल और फल आ चुके हैं। ऐसे में अत्यधिक ठंड और घने कोहरे के कारण पाला गिरने की आशंका बनी हुई है।

किसानों के अनुसार यदि पाला पड़ता है तो फूल झड़ने का खतरा बढ़ जाएगा और फलों पर धब्बे पड़ सकते हैं, जिससे उत्पादन और गुणवत्ता दोनों पर सीधा असर पड़ेगा। लगातार धूप नहीं निकलने के कारण फसलों की बढ़वार भी प्रभावित हो रही है, वहीं खेतों में अधिक नमी रहने से रोग और कीट प्रकोप की आशंका बढ़ गई है।

इस संबंध में नगरनौसा प्रखंड प्राथमिक सब्जी सहकारी समिति लिमिटेड की अध्यक्ष कंचन कुमारी ने बताया कि ठंड और पछुआ हवा के चलते पाला गिरने की पूरी संभावना है।

उन्होंने कहा कि सूर्य का पर्याप्त प्रकाश नहीं मिलने से किसान समय पर दवा का छिड़काव भी नहीं कर पा रहे हैं। कृषि विभाग की ओर से किसानों को सतर्क रहने और मौसम के अनुसार आवश्यक सुरक्षात्मक उपाय अपनाने की सलाह दी जा रही

नालंदा में 231 पंचायतों में चार दिवसीय किसान रजिस्ट्री शिविर का आयोजन

संजय कुमार ,बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। नालंदा जिले के किसानों की सुविधा और उन्हें सरकारी योजनाओं से सीधे जोड़ने के उद्देश्य से किसान रजिस्ट्री शिविर का आयोजन 06 जनवरी 2026 से 09 जनवरी 2026 तक किया जा रहा है। यह शिविर नालंदा जिले की सभी 231 पंचायतों में एक साथ संचालित होगा, जिससे अधिक से अधिक किसान पंजीकरण कराकर लाभान्वित हो सकें।इस विशेष अभियान का मुख्य उद्देश्य जिले के किसानों का किसान रजिस्ट्रीकरण सुनिश्चित करना है, ताकि राज्य एवं केंद्र सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कृषि योजनाओं का लाभ उन्हें पारदर्शी एवं सरल प्रक्रिया के माध्यम से मिल सके। किसान रजिस्ट्री के माध्यम से किसानों का अद्यतन, सत्यापित और प्रमाणिक डाटा संकलित किया जाएगा, जो भविष्य में योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, लाभ वितरण और नीति निर्धारण में सहायक सिद्ध होगा।जिला प्रशासन एवं कृषि विभाग द्वारा इस शिविर को सफल बनाने के लिए सभी प्रखंडों में व्यापक तैयारी की गई है। प्रत्येक पंचायत स्तर पर शिविर का आयोजन सुनिश्चित किया गया है, ताकि किसानों को दूर जाने की आवश्यकता न पड़े। इसके साथ ही किसानों को जागरूक करने और अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक प्रखंड में प्रचार-प्रसार हेतु वाहन रथ की व्यवस्था की गई है। ये वाहन पंचायतों और गांवों में जाकर किसानों को शिविर की तिथि, स्थान और आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी दे रहे हैं।जिला प्रशासन ने सभी किसानों से अपील की है कि वे निर्धारित तिथियों के भीतर अपने संबंधित पंचायत में आयोजित किसान रजिस्ट्री शिविर में आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपस्थित होकर अपना पंजीकरण अवश्य कराएं, ताकि वे सरकारी कृषि योजनाओं का समय पर और पूर्ण लाभ प्राप्त कर सकें।

धान अधिप्राप्ति प्रगति की समीक्षा, 20 प्रतिशत से कम वाले प्रखंडों पर सख्ती

अखिलेंद्र कुमार ,बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। मंगलवार को कुंदन कुमार, जिला पदाधिकारी, नालंदा की अध्यक्षता में जिले में चल रहे धान अधिप्राप्ति कार्य की प्रगति को लेकर संबंधित पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलेभर में धान खरीद की स्थिति, लक्ष्य के सापेक्ष उपलब्धि और प्रखंडवार प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई।समीक्षा के दौरान जिला सहकारिता पदाधिकारी नालंदा ने जानकारी दी कि जिले के लिए निर्धारित 1,22,085 मीट्रिक टन धान अधिप्राप्ति लक्ष्य के विरुद्ध अब तक 4,598 किसानों से कुल 33,424 मीट्रिक टन धान का क्रय किया गया है, जो कुल लक्ष्य का 27.41 प्रतिशत है।

प्रखंडवार प्रगति की स्थिति पर चर्चा करते हुए बताया गया कि थरथरी प्रखंड में सर्वाधिक 0.64 प्रतिशत, कतरीसराय 33.60 प्रतिशत, नूरसराय 33.09 प्रतिशत, बेन 32.86 प्रतिशत4, एकंगरसराय 32.68 प्रतिशत, सरमेरा 32.32 प्रतिशत, नगरनौसा 31.74 प्रतिशत, चंडी 31.17 प्रतिशत, इस्लामपुर 30.22 प्रतिशत, गिरियक 29.42 प्रतिशत, हरनौत 28.18 प्रतिशत, राजगीर 26.63 प्रतिशत, सिलाव 25.67 प्रतिशत, परवलपुर 24.53 प्रतिशत, हिलसा 23.02 प्रतिशत, रहुई 22.90 प्रतिशत, बिहारशरीफ 19.77 प्रतिशत, आस्थावां 18.86 प्रतिशत, बिंद 16.63 प्रतिशत तथा करायपरसुराय प्रखंड में मात्र 10.22 प्रतिशत धान अधिप्राप्ति हुई है।कम प्रगति पर नाराजगी जताते हुए जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि जिन प्रखंडों में धान अधिप्राप्ति 20 प्रतिशत से कम है, वहां के सहकारिता प्रसार पदाधिकारियों से स्पष्टीकरण किया जाए। साथ ही सभी संबंधित अधिकारियों को नियमानुसार धान अधिप्राप्ति में तेजी लाने के स्पष्ट निर्देश दिए गए।बैठक में उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता सह जिला आपूर्ति पदाधिकारी, जिला सहकारिता पदाधिकारी, जिला प्रबंधक राज्य खाद्य निगम, वरीय उपसमाहर्ता अधिप्राप्ति तथा जिला कृषि पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सात पंचायतों में पीएम किसान ई-केवाईसी व फार्मर रजिस्ट्री कैंप का डीएम ने किया औचक निरीक्षण

हरनौत (अपना नालंदा)। कृषि विभाग के प्रधान सचिव के निर्देशानुसार हरनौत प्रखंड की पाकड़, डिहरी, बस्ती, कोलावां, चेरो लोहरा और बसनियावां सहित कुल सात पंचायतों में मंगलवार को एग्री स्टैक परियोजना के तहत फार्मर रजिस्ट्री एवं पीएम किसान ई-केवाईसी के लिए विशेष शिविर का आयोजन किया गया। इन शिविरों का उद्देश्य अधिक से अधिक किसानों का पंजीकरण कर उन्हें सरकारी कृषि योजनाओं से जोड़ना है।

इसी क्रम में डिहरी पंचायत सरकार भवन में आयोजित कैंप का औचक निरीक्षण कुंदन कुमार, जिला पदाधिकारी, नालंदा ने किया। निरीक्षण के दौरान डॉ रितेश कुमार भी उपस्थित रहे। जिलाधिकारी ने शिविर की व्यवस्थाओं, पंजीकरण प्रक्रिया और किसानों को दी जा रही सुविधाओं का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए।

प्रखंड कृषि पदाधिकारी ब्रजकिशोर चरण ने बताया कि हरनौत प्रखंड में लगभग 11,300 पीएम किसान पंजीकृत किसान हैं। इनमें से अब तक लगभग 60 प्रतिशत किसानों का ई-केवाईसी पूरा हो चुका है, जबकि मात्र 10 प्रतिशत किसानों की फार्मर रजिस्ट्री ही बन पाई है। उन्होंने बताया कि डिहरी पंचायत में आयोजित कैंप के दौरान 21 किसानों का ई-केवाईसी तथा 25 किसानों का फार्मर रजिस्ट्रीकरण किया गया।

उन्होंने बताया कि इन शिविरों का मुख्य उद्देश्य किसानों का अद्यतन एवं प्रमाणिक डाटा तैयार करना है, जिससे राज्य एवं केंद्र सरकार की कृषि योजनाओं का लाभ पात्र किसानों तक समय पर पहुंच सके। इसके लिए पंचायतवार माइक्रोप्लान तैयार किया गया है तथा प्रत्येक पंचायत में नोडल पदाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की गई है। शिविर संचालन के लिए विभिन्न कर्मियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

मौके पर अपर समाहर्ता राजस्व, सीओ पूजा कुमारी, एसी आरती, केएस अशोक सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

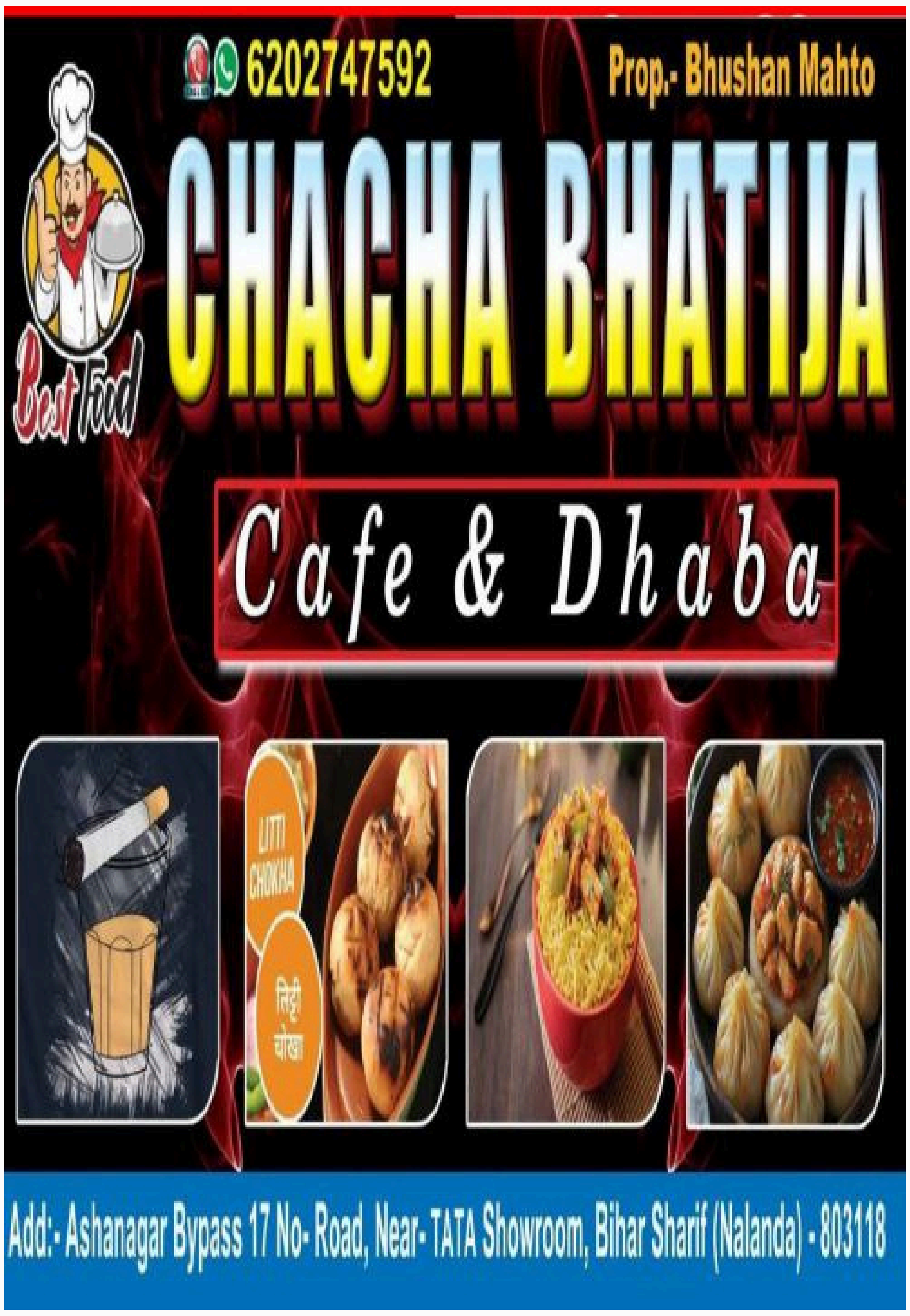

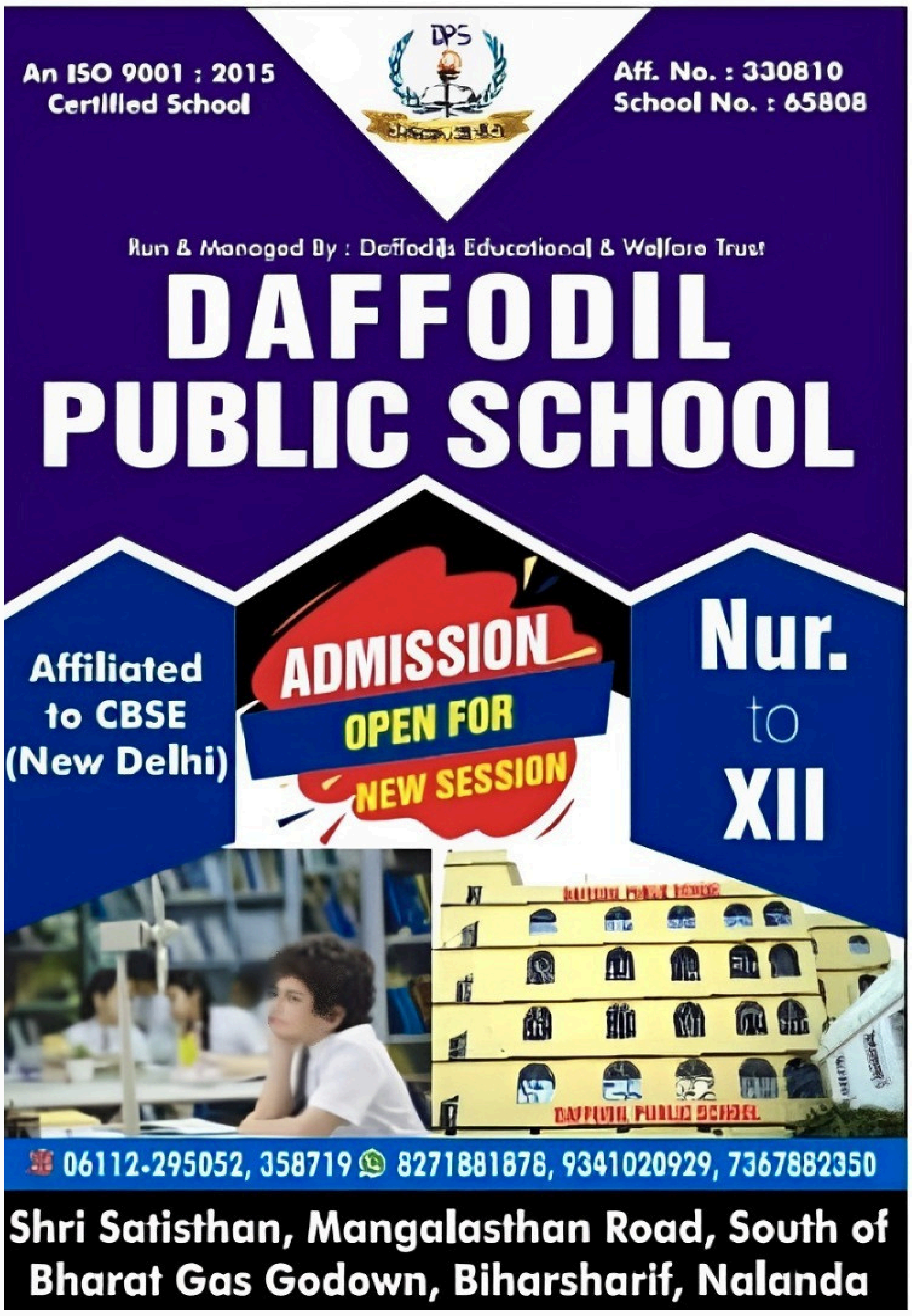

नालंदा विश्वविद्यालय में सहभागिता संवाद की चतुर्थ बैठक संपन्न

संजय कुमार ,बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। नालंदा विश्वविद्यालय के परिसर में आज सहभागिता संवाद की चतुर्थ बैठक का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। बैठक का उद्देश्य विश्वविद्यालय और आसपास के विद्यालयों के बीच संवाद, सहयोग एवं साझा शैक्षणिक पहलों को सुदृढ़ करना रहा।

बैठक की अध्यक्षता नालंदा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सचिन चतुर्वेदी ने की। इसमें डॉ. भीमराव अंबेडकर विद्यालय, केंद्रीय विद्यालय, आरडीएच हाई स्कूल, सरस्वती विद्या मंदिर, मिडिल स्कूल जत्ती सहित कुल आठ निकटवर्ती विद्यालयों के प्रधानाचार्यों सहित उनके कई प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

अपने संबोधन में कुलपति प्रोफेसर सचिन चतुर्वेदी ने कहा कि विश्वविद्यालय और विद्यालयों के संयुक्त प्रयासों से सहभागिता को नई गति मिलेगी और आने वाले समय में कई ठोस कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने सहभागिता के अंतर्गत विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी और कहा कि इन पहलों को अधिक प्रभावी बनाने के लिए विद्यालयों के प्रधानाचार्यों की सक्रिय भागीदारी अत्यंत आवश्यक है।

कुलपति ने सभी विद्यालयों को 09 से 13 जनवरी 2026 के बीच नालंदा विश्वविद्यालय में आयोजित होने वाले हिंदी सम्मेलन एवं थिंक टैंक्स सम्मेलन में भाग लेने का भी आमंत्रण दिया। उन्होंने यह भी बताया कि जिला शिक्षा पदाधिकारी के सुझाव के अनुरूप शिक्षकों एवं विद्यालयों के लिए अभिलेख प्रबंधन (रिकॉर्ड कीपिंग) पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम शीघ्र आयोजित किया जाएगा।इसके अतिरिक्त, उन्होंने पड़ोसी विद्यालयों के लिए विश्वविद्यालय पुस्तकालय की सुविधा को सुदृढ़ करने तथा शीघ्र ही एक मूर्तिकला कार्यशाला आयोजित किए जाने की जानकारी दी।

जिला शिक्षा पदाधिकारी आनंद विजय ने स्थानीय जीविका दीदियों के कौशल विकास से जुड़ी संभावनाओं पर अपने विचार साझा किए और बताया कि इससे प्रारंभिक तौर पर विद्यालयों के लिए यूनिफॉर्म तैयार करने जैसे कार्यों में सहयोग मिल सकता है। उन्होंने कहा कि इन प्रयासों से शिक्षा विभाग को सबसे अधिक लाभ होगा।

बैठक के दौरान हिंदी भाषा में प्रकाशित न्यूज़लेटर "सहभागिता संवाद समाचार" का विमोचन किया गया। इस न्यूज़लेटर में नालंदा विश्वविद्यालय एवं विद्यालयों द्वारा संयुक्त रूप से किए गए सहभागिता संबंधी कार्यों का विवरण प्रस्तुत किया गया है। न्यूज़लेटर की प्रतियां सभी विद्यालयों को वितरित की गईं। इसके प्रथम अंक में डॉ. भीमराव अंबेडकर विद्यालय को विशेष रूप से प्रस्तुत किया गया है, जबकि आगामी अंकों में अन्य विद्यालयों को शामिल किया जाएगा।

विद्यालय प्रतिनिधियों ने सहभागिता पहल की सराहना की। डॉ. भीमराव अंबेडकर विद्यालय के प्रधानाचार्य राजीव रंजन ने बताया कि इस पहल से उनके विद्यालय के बच्चे वाद-विवाद जैसी गतिविधियों में बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। केंद्रीय विद्यालय के प्रधानाचार्य ने कहा कि नई सीख के माध्यम से उनका परिसर प्लास्टिक-मुक्त बना है और वर्षा जल संचयन की व्यवस्था भी अपनाई गई है। मिडिल स्कूल महादेवपुर के प्रधानाचार्य ने कहा कि उनके विद्यालय के छात्र नालंदा विश्वविद्यालय आने के लिए सदैव उत्सुक रहते हैं और यह एक सराहनीय प्रयास है।

सहभागिता समन्वयक डॉ. प्रांशु समदर्शी ने बताया कि कि स्थानीय विद्यालय के छात्र विश्विद्यालय में हो रहे योग सत्र में आमंत्रित हैं। उन्होंने यह भी कहा कि छात्रों के लिए, निकट भविष्य में, एक विशेष कार्यशाला भी आयोजित की जाएगी, जिससे उनकी एकाग्रता को बढ़ावा मिलेगा, जैसा कि बैठक में ओबीसी बालिका विद्यालय की प्रतिनिधि द्वारा सुझाव दिया गया था।

नालंदा विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों ने सहभागिता कार्यक्रम के अंतर्गत पाँच गाँवों में किए जा रहे शोध एवं कार्यों की प्रस्तुति दी। स्थानीय गाँवों की स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) से जुड़ी महिलाएं भी बैठक में उपस्थित रहीं।

बैठक का समापन कुलपति द्वारा सभी विद्यालयों को आगामी विश्वविद्यालय कार्यक्रमों में आमंत्रित करने तथा सुषमा स्वराज सभागार के समक्ष सामूहिक फोटो सत्र के साथ हुआ।

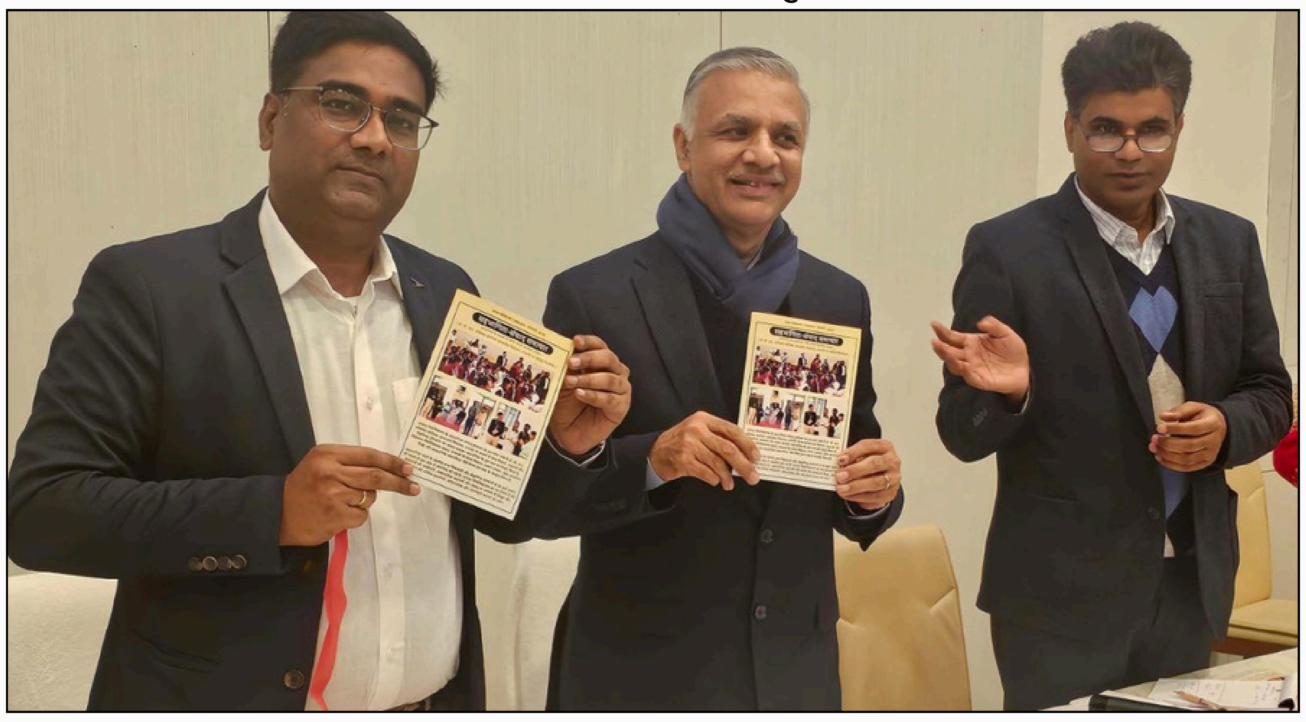

84वें स्थापना दिवस पर युको बैंक ने ग्राहकों को नई शाखा और डिजिटल सेवाओं की सौगात दी

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। सार्वजनिक क्षेत्र के प्रतिष्ठित बैंक युको बैंक के 84वें स्थापना दिवस के अवसर पर मंगलवार को बिहारशरीफ शाखा में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर ग्राहकों को संबोधित करते हुए बैंक के वरिष्ठ प्रबंधक सह बिहारशरीफ शाखा प्रबंधक सुजीत कुमार ने कहा कि युको बैंक अपने ग्राहकों को समय पर सभी बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए हमेशा तत्पर रहता है।

उन्होंने कहा कि बैंक पिछले 84 वर्षों से देशभर में आम जनता की सेवा में निरंतर कार्य कर रहा है और बदलते समय के साथ खुद को आधुनिक तकनीक से जोड़ते हुए डिजिटल बैंकिंग की दिशा में मजबूत कदम बढ़ा चुका है। श्री कुमार ने जानकारी दी कि इसी क्रम में युको बैंक की दूसरी शाखा राजगीर बस स्टैंड के समीप प्रारंभ की जा रही है, जिससे स्थानीय लोगों को बैंकिंग सुविधाओं का सीधा लाभ मिलेगा।

शाखा प्रबंधक ने बताया कि युको बैंक पूरी तरह ऑनलाइन और डिजिटल प्रणाली से जुड़ चुका है। बैंक द्वारा बचत खाता, चालू खाता, किसान क्रेडिट कार्ड, गृह ऋण, शिक्षा ऋण, उद्यमी योजना के तहत उद्योग स्थापित करने के लिए ऋण जैसी अनेक सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

कार्यक्रम में उप शाखा प्रबंधक स्वर्णा भारती ने कहा कि बैंक ग्राहकों को बेहतर, सरल और पारदर्शी सेवा देने के लिए कटिबद्ध है। उन्होंने बताया कि युको बैंक जीविका दीदियों को स्वावलंबी बनाने के साथ-साथ प्रधानमंत्री जीवन बीमा योजना एवं साधारण बीमा योजनाओं के माध्यम से ग्राहकों को सामाजिक सुरक्षा भी प्रदान कर रहा है।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सदर आलम मेमोरियल स्कूल की प्राचार्या डॉ रूबीना निशात ने कहा कि युको बैंक के शाखा प्रबंधक एवं सभी कर्मी बेहतर सेवा के लिए बधाई के पात्र हैं। वहीं वार्ड पार्षद खालिद आलम भुट्टो ने भी बैंक प्रबंधन और कर्मियों के कार्यों की सराहना की।

इस अवसर पर मुख्य खजांची विजय कुमार, चंदन कुमार, सुबोध कांत, संजीव कुमार वर्मा, विशाल कुमार, बैंक मित्रा बबीता कुमारी सहित अंजनी कुमारी, सरिता कुमारी, निरंजन कुमार, बेबी देवी, ममता कुमारी, रोहित कुमार, संजय कुमार समेत दर्जनों ग्राहक उपस्थित रहे।

अपना शहर अपना खबर
अपना नालन्दा
राजधानी पटना की खबर
बुधवार 7, जनवरी,2026

जल-जीवन-हरियाली से बदली बिहार की तस्वीर, जल संरक्षण में बना देश का मॉडल

सुजीत कुमार ,पटना (अपना नालंदा)। बापू टावर स्थित सभागार में जल-जीवन-हरियाली दिवस के अवसर पर आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में ग्रामीण विकास एवं परिवहन मंत्री श्रवण कुमार ने भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रकृति ही जीवन का आधार है और इसके बिना सांस लेने की कल्पना भी निरर्थक है। उन्होंने बताया कि बीते छह वर्षों में बिहार में 1.40 लाख जल संचय संरचनाओं का जीर्णोद्धार किया गया है, जबकि 73 हजार से अधिक नए जलस्रोतों का निर्माण किया गया है।

मंत्री ने कहा कि जब पूरा विश्व जलवायु परिवर्तन की चुनौती से जूझ रहा था, तब माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सभी राजनीतिक दलों को साथ लेकर जल-जीवन-हरियाली मिशन की शुरुआत की। वर्ष 2019 में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर इस अभियान का शुभारंभ किया गया, जिसके तहत तालाब, कुएं, आहर-पईन, पोखर, चेक डैम और वर्षा जल संचयन संरचनाओं का संरक्षण व नव निर्माण किया गया। राज्य में 13 हजार से अधिक चेक डैम तथा 14 हजार सरकारी भवनों पर वर्षा जल संचयन की व्यवस्था की गई है। वन विभाग के सहयोग से अब तक 21 करोड़ पौधे लगाए जा चुके हैं।

श्रवण कुमार ने कहा कि बिहार के चेक डैम आज दूसरे राज्यों के लिए मॉडल बन चुके हैं और जल-जीवन-हरियाली मिशन को कई राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिल चुके हैं। उन्होंने बच्चों के जन्मदिन, तीज-त्योहार और पारिवारिक आयोजनों पर कम से कम एक पौधा लगाने की अपील की।

कार्यक्रम में ग्रामीण विकास विभाग के प्रधान सचिव पंकज कुमार ने कहा कि जल-जीवन-हरियाली राज्य की सबसे सफल योजनाओं में से एक है। कार्यक्रम के अंत में अभियान की सफलता में अहम भूमिका निभाने वाली जीविका दीदियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विभागीय पदाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

बुलडोजर नीति और आरक्षण पर जदयू की चुप्पी सवालों के घेरे में : एजाज अहमद

सुजीत कुमार ,पटना (अपना नालंदा)। बिहार प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल के प्रवक्ता एजाज अहमद ने जदयू के मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि उनकी पूरी राजनीति आज केवल लालू प्रसाद यादव और तेजस्वी यादव के इर्द-गिर्द सिमट कर रह गई है। उन्होंने कहा कि नीरज कुमार को लालू-तेजस्वी फोबिया से बाहर निकलकर बिहार की जनता के असली मुद्दों पर बात करनी चाहिए।

एजाज अहमद ने सवाल उठाया कि बिहार में बढ़ते अपराध, भ्रष्टाचार और कानून-व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति पर सरकार की ओर से कोई ठोस कार्रवाई क्यों नहीं हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि रोहतासगढ़ में 13 करोड़ 65 लाख रुपये की लागत से बने रोपवे में भारी भ्रष्टाचार हुआ, लेकिन इस मामले में भी सरकार चुप्पी साधे हुए है। जब अपराधी और माफिया सरकार के संरक्षण में फल-फूल रहे हैं, तब जदयू के प्रवक्ताओं की आवाज क्यों नहीं निकलती, यह बड़ा सवाल है।

उन्होंने आगे कहा कि बिहार में बुलडोजर नीति के कारण गरीब, शोषित और वंचित वर्ग त्राहि-त्राहि कर रहा है। चुनाव के समय महिलाओं को 10 हजार रुपये देने की बात करने वाली एनडीए सरकार अब उन्हीं गरीब महिलाओं के घरों पर बुलडोजर चलाकर उन्हें बेघर कर रही है। ठंड के इस मौसम में लोगों को उनके आशियानों से उजाड़ा जा रहा है, लेकिन इस अमानवीय कार्रवाई पर जदयू के प्रवक्ताओं की चुप्पी हैरान करने वाली है।

एजाज अहमद ने कहा कि अति पिछड़ा समाज को जो सम्मान लालू प्रसाद यादव ने दिया और तेजस्वी यादव ने आरक्षण में 8 प्रतिशत बढ़ोतरी कर जो अधिकार दिलाने का प्रयास किया, वह सबको ज्ञात है। उन्होंने आरोप लगाया कि एनडीए सरकार ने 16 प्रतिशत आरक्षण की हकमारी कर सत्ता हासिल की और अति पिछड़ों के 8 प्रतिशत आरक्षण को रोक दिया। अंत में उन्होंने कहा कि बिहार की जनता अब चालाकी की राजनीति को समझ चुकी है और असली मुद्दों पर जवाब चाहती है।

बिहार में उर्वरकों का पर्याप्त भंडार, कालाबाजारी पर जीरो टॉलरेंस : कृषि मंत्री

सुजीत कुमार ,पटना (अपना नालंदा)। बिहार के कृषि मंत्री राम कृपाल यादव ने स्पष्ट किया है कि राज्य के किसी भी जिले में उर्वरकों की कोई कमी नहीं है और रबी मौसम के लिए पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। कृषि भवन स्थित अपने कार्यालय कक्ष में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों को समय पर, निर्बाध एवं निर्धारित मूल्य पर उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

मंत्री ने बताया कि 6 जनवरी 2026 की स्थिति में राज्य में 2.16 लाख मीट्रिक टन यूरिया, 1.40 लाख मीट्रिक टन डीएपी, 2.21 लाख मीट्रिक टन एनपीके, 0.35 लाख मीट्रिक टन एमओपी तथा 1.10 लाख मीट्रिक टन एसएसपी का भंडार उपलब्ध है, जो किसानों की वर्तमान और आगामी आवश्यकताओं के लिए पूरी तरह पर्याप्त है।

उन्होंने कहा कि उर्वरकों की कालाबाजारी, जमाखोरी एवं अधिक मूल्य पर बिक्री के विरुद्ध राज्य सरकार ने जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई है। रबी मौसम 2025-26 के दौरान अब तक 37 मामलों में प्राथमिकी दर्ज की गई है, 100 उर्वरक प्राधिकार पत्र रद्द किए गए हैं तथा 132 प्राधिकार पत्र निलंबित किए गए हैं। मुख्यालय स्तर पर गठित उड़नदस्ता दल द्वारा लगातार छापेमारी और निरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है।

कृषि मंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जिस क्षेत्र में उर्वरक बिक्री में अनियमितता पाई जाएगी, वहां के रिटेलर, होलसेलर और संबंधित पदाधिकारी सभी के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे जिलों में तस्करी रोकने के लिए सशस्त्र सीमा बल के साथ समन्वय कर विशेष सतर्कता बरती जा रही है।

इस अवसर पर कृषि विभाग के प्रधान सचिव नर्मदेश्वर लाल और कृषि निदेशक सौरभ सुमन यादव ने भी कहा कि किसानों के हित सर्वोपरि हैं और उर्वरक आपूर्ति व्यवस्था को पारदर्शी व अनुशासित बनाए रखने के लिए हर स्तर पर सघन निगरानी की जा रही है।

मेदांता पटना ने प्रोस्टेट कैंसर जागरूकता हेतु 'सोचो मत, बात करो' अभियान शुरू किया

सुजीत कुमार ,पटना (अपना नालंदा)। बिहार के अग्रणी सुपर स्पेशियलिटी अस्पतालों में शामिल जय प्रभा मेदांता सुपर स्पेशिलिटी हॉस्पिटल ने प्रोस्टेट कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से 'सोचो मत, बात करो' (SMBK) नामक सामुदायिक अभियान की शुरुआत की। इस पहल का मुख्य उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों को प्रोस्टेट स्वास्थ्य के प्रति सजग करना, समय पर जांच के लिए प्रेरित करना और कैंसर की प्रारंभिक पहचान को बढ़ावा देना है।

इस जन-जागरूकता कार्यक्रम में विभिन्न संस्थानों से जुड़े 100 से अधिक वरिष्ठ नागरिकों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान SMBK कियोस्क का औपचारिक उद्घाटन किया गया, जो प्रोस्टेट स्वास्थ्य से जुड़ी जानकारी, मार्गदर्शन और प्रारंभिक स्क्रीनिंग के लिए एक संपर्क केंद्र के रूप में कार्य करेगा। अभियान के तहत एक मिनट का त्वरित प्रोस्टेट स्वास्थ्य परीक्षण, जागरूकता वीडियो का प्रदर्शन तथा विशेषज्ञों की पैनल चर्चा आयोजित की गई, जिसमें प्रोस्टेट कैंसर की प्रारंभिक पहचान और आधुनिक उपचार विकल्पों पर विस्तार से चर्चा हुई।मेदांता पटना के मेडिकल डायरेक्टर डॉ. रवि शंकर सिंह ने कहा कि प्रोस्टेट कैंसर अक्सर शुरुआती अवस्था में बिना लक्षणों के बढ़ता है, इसलिए नियमित स्क्रीनिंग बेहद जरूरी है। उन्होंने बताया कि यह अभियान वरिष्ठ नागरिकों को बिना झिझक अपने स्वास्थ्य पर खुलकर बातचीत करने का सुरक्षित मंच प्रदान करता है।

यूरोलॉजी विभाग के डायरेक्टर डॉ. प्रभात रंजन ने कहा कि समय पर पहचान से प्रोस्टेट कैंसर का प्रभावी और कम दुष्प्रभाव वाला इलाज संभव है, जिसमें रोबोटिक तकनीक अहम भूमिका निभा रही है। वहीं रेडिएशन ऑन्कोलॉजी के डायरेक्टर डॉ. राजीव रंजन प्रसाद ने बताया कि 55 वर्ष से अधिक आयु के पुरुषों में इस कैंसर का जोखिम अधिक होता है, लेकिन जागरूकता की कमी के कारण देर से पहचान हो पाती है।यह अभियान मेदांता की 'जानता है मेदांता' पहल का दूसरा चरण है, जिसका उद्देश्य कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाकर समय पर जांच और उपचार के लिए समाज को प्रेरित करना है।

www.apnanalanda.com
अपना नालन्दा
अपना शहर, अपना खबर
नालन्दा का नंबर 1 अखबार
BREAKING NEWS
Friday, November 25, 2025
अपना नालदा
अपना नालन्दा में विज्ञापन देकर
अपने व्यवसाय को दे नई पहचान
नालन्दा की जनता की आवाज
अपने क्षेत्र की खबर भेजने
ओर विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें।
9031468165
9608311251
"अपना नालदा"
नालंदा की जनता की आवाज